केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 124 बुधवार 27 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

संविधान दिवस पर दिलाया शपथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर भारत रत्न डा. भीम राव अम्बेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का शपथ दिलाया गया। मण्डलायुक्त ने संविधान में उल्लिखित मौलिक कतव्यों को याद दिलाते हुए सभी को बिना भेदभाव के न्याय दिलाने आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। संविधान दिवस के शुभ अवसर पर मा. मुख्यमंत्री जी के सम्बोधन को सजीव प्रसारण के माध्यम से सुना गया।

इस अवसर पर अपर आयुक्त (प्रशासन) राजीव पाण्डेय, संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार, प्रशासनिक अधिकारी संतोष पाण्डेय, न्याय सहायक रमेश चन्द्र कन्नौजिया, नाजिर अनुपम चौधरी, आदि कर्मचारी/अधिकारीगण उपस्थित रहें।

विज्ञान, गणित प्रदर्शनी में फातिमा, आनन्द यादव रहे अव्वल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में मंगलवार को विज्ञान और गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न विकासखण्डों से आए परिषदीय और कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। उच्च प्राथमिक स्तर में आनंद यादव तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय से बस्ती सदर की छात्रा फातिमा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बच्चों ने बेहतर ढंग से विज्ञान और गणित की प्रदर्शनी लगाई थी। डायट प्रवक्ताओं की टीम ने बच्चों द्वारा लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। निर्णायक मंडल में रहे कुलदीप चौधरी, सरिता चौधरी और अलीउद्दीन ने प्रदर्शनी अवलोकन के उपरांत परिणाम घोषित किया। जिसमें आनंद यादव और फातिमा अव्वल रहे। निर्णायक मण्डल के सदस्यों ने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा मिलता है। खोजी प्रतिभा को गति मिलती है। जिसका फायदा अपने जीवन में समाज के समक्ष आने वाली समस्या के समाधान के रुप में मिलेगा।

इस अवसर पर शशि दर्शन त्रिपाठी, मो. इमरान खान, डॉ रिचा शुक्ला, अमन सेन, डॉ रविनाथ, वर्षा पटेल आदि उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर धूम–धाम से हुआ आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, बस्ती। खंड विकास कार्यालय पर संविधान दिवस दिवस के अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी आलोक कुमार पंकज ने कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ कर सुनाया और शपथ दिलायी। भीम राव अंबेडकर व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर शहीद स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

खंड विकास अधिकारी आलोक कुमार पंकज ने कहा कि बाबा साहब प्रतिभाओं के धनी व्यक्ति थे। उनके पद चोन पर सभी को चलना चाहिए। गरीबों के उत्थान के लिए सभी को कार्य करना चाहिए। अमृत सरोवर कुदरहा, भेड़वा, जगरनाथपुर पर भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पंचायत भवन रसूलपुर, भगतूपुर, पिपरपाती, बगही, छरदही, शिवपुर, टेगरिहाराजा, सेल्हरा, छिबरा, जिभियांव में भी धूम–धाम से मनाया गया।

कार्यक्रम में एडीओ पंचायत सुभाष चंद्र, दीपक श्रीवास्तव, राहुल कुमार, रामकुमार पाल, राधा गुप्ता, संदीप अमेटा, राशिद, श्याम नरायन, गोरखनाथ यादव, महेंद्र यादव, अनुपम चौधरी, शैलेद्र नाथ त्रिपाठी, रविंद्र अग्रहरी, बालेंद्र, मनोज कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

राहुल गांधी के संभल आने की सूचना पर प्रशासन सर्तक

मुरादाबाद (आभा)। जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा में पांच लोगों की मौत के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संभल जाने की सूचना पर पुलिस ने हाईवे पर नाकाबंदी कर दी। दिल्ली से आने वाले वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है। हसनपुर एसडीएम सुनीता सिंह, सीओ श्वेताभ भास्कर और इंस्पेक्टर सुधीर कुमार के नेतृत्व में थाना पुलिस ने ब्रजघाट पुलिस चौकी के सामने बैरियर लगा कर वाहनों की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलने पर स्थानीय खुफिया विभाग भी लगातार घटनाक्रम पर निगरानी रखे हुए हैं। संभल में हिंसा के बाद की स्थिति तनावपूर्ण शांति में बदल चुकी है, और प्रशासन पूरी स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा, 'संभल, उत्तर प्रदेश में हालिया विवाद पर राज्य सरकार का पक्षपात और जल्दबाजी भरा रवैया बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंसा और फायरिंग में जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। प्रशासन द्वारा बिना सभी पक्षों को सुने और असंवेदनशीलता से की गई कार्रवाई ने माहौल और बिगाड़ दिया और कई लोगों की मृत्यु का कारण बना – जिसकी सीधी जिम्मेदार भाजपा सरकार है।

भाजपा का सत्ता का उपयोग हिंदू–मुसलमान समाजों के बीच दरार और भेदभाव पैदा करने के लिए करना न प्रदेश के हित में है, न देश के। मैं सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में जल्द से जल्द हस्तक्षेप कर न्याय करने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने आगे कहा, ष्मेरी अपील है कि शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखें। हम सबको एक साथ जुड़ कर यह सुनिश्चित करना है कि भारत सांप्रदायिकता और नफरत नहीं, एकता और संविधान के रास्ते पर आगे बढ़े।

अधिवक्ताओं के लिये संविधान गीता, कुरान की तरह पवित्र- श्याम प्रकाश शर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को संविधान के 75 वें सालगिरह मनाने की धूम रही। अनेक स्थानों पर संगोष्ठी, विमर्श के अनेक आयोजन किये गये । वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के महामंत्री एवं कमिश्नर कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में संविधान दिवस के महत्व पर व्यापक विमर्श किया गया। श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि संविधान अधिवक्ताओं के लिये गीता और कुरान की तरह पवित्र है। संविधान के द्वारा ही नागरिकों को अनेक अवसर और मौलिक अधिकार प्राप्त है।

कार्यक्रम में अधिवक्ता ओम प्रकाश पाण्डेय, राजकुमार श्रीवास्तव, विनय कुमार बख्शी, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, आचार्य छोटेलाल शास्त्री, प्रदीप कुमार पाण्डेय, श्री प्रकाश त्रिपाठी, अरविन्द कुमार चौरसिया, मनीष श्रीवास्तव आदि ने कहा कि 75 वर्षों की यात्रा में अनेक उतार चढावों के बीच भारत का लिखित संविधान मार्ग दर्शक की भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में बी.के. मिश्र, पेशकार मिश्र, सामईन फारूकी, बटुक नाथ शुक्ल, कृष्ण चन्द्र पाण्डेय एडवोकेट, लालजी पाण्डेय, नेबूलाल आदि शामिल रहे।

भाजपा के 6 बूथ समितियों का गठन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को हर्रैया विधानसभा के हर्रैया मंडल में भारतीय जनता पार्टी के 6 बूथों समितियां का अलग–अलग स्थानों पर गठन किया गया। इसमे नव नियुक्त बूथ अध्यक्ष मनोज कुमार पाण्डेय, धर्मेंद्र मोदनवाल, आनंद गुप्ता, मंटू सिंह, राजन तिवारी, अर्जुन पंडित नरसिंह को हरैया मण्डल चुनाव अधिकारी राजकुमार शुक्ल ने माला पहनाकर स्वागत किया। कहा कि लोकतंत्र में बूथ समितियों का सर्वाधिक महत्व है। निश्चित रूप से बूथों के पदाधिकारी पार्टी के नीति, कार्यक्रमों से लोगों को जोड़ने, पात्रों को केन्द्र और राज्य सरकार के

–बूथ समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण–राजकुमार शुक्ल

कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में योगदान के साथ ही चुनाव के समय शत प्रतिशत मतदान कराकर पार्टी को मजबूती देंगे।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शिव चरन जायसवाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता चन्द्रमणि पाण्डेय 'सुदामा', शक्ति दीप पाठक, राम जीत शर्मा, राघवेंद्र पाण्डेय, कृष्ण भगवान पाण्डेय , हरिराम मिश्रा, वीरेंदर सिंह धर्मेंद्र मोदनवाल , जगदम्बा प्रसाद गुप्ता, अतुल तिवारी आदि ने योगदान दिया।

जमीन और जान माल का खतराः लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगर थाना क्षेत्र के बक्सर निवासी सूर्यमणि पाण्डेय ने मुख्यमंत्री, आई.जी. और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य सम्बंधित अधिकारियों को पत्र भेजकर अपने जमीन और परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

भेजे पत्र में सूर्यमणि पाण्डेय पुत्र शिवाकान्त पाण्डेय ने कहा है कि गांव के ही गंगाधर, अतुल पाण्डेय पुत्र गंगाधर आदि ने उनकी जमीन पर सिंचाई के लिये बने कुलाबे को जबरिया तोड़ दिया। जब नगर थाने को इस सम्बन्ध में तहरीर दिया गया तो पुलिस ने उल्टे न्याय दिलाने की जगह शांति भंग में चालान कर दिया। गंगाधर आदि दबंग किस्म के व्यक्ति हैं और उनकी जमीनों पर उनकी बुरी नजर है। आये दिन तरह–तरह की धमकी देने के साथ ही विवाद खड़ा करते रहते हैं, इससे उनका परिवार काफी डरा हुआ है। विपक्षी कभी भी कोई षड़यंत्र रचकर बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। सूर्यमणि ने अपनी जमीन और परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाते हुये दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कड़ी कार्रवाई की मांग किया है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा सहारा के जमाकर्ताओं का मामलाः जनहित याचिका दायर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सहारा के जमाकर्ताओं को उनके अरबो रूपयों की राशि वापस दिलाने के लिये निरन्तर संघर्ष कर रहा संयुक्त ऑल इण्डिया जन आन्दोलन संघर्ष मोर्चा ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय देव शुक्ल ने मंगलवार को यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि निरन्तर संघर्ष और गृह मंत्री द्वारा आश्वासन दिये जाने के बावजूद सहारा जमाकर्ताओं की स्थिति पूर्ववत बनी हुई है। बताया कि जमाकर्ताओं ने केन्द्र सरकार के दिशा निर्देश के अनुरूप सम्बंधित पोर्टल पर अपना विवरण भी जमा किया, उम्मीद जगी थी कि शायद धनराशि मिल जाय किन्तु अभी तक सारा मामला राजनीति की भेंट चढ गया। इन स्थितियों को देखते हुये सहारा जमाकर्ताओं को न्याय दिलाने के लिये सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। आगामी 5 दिसम्बर को सुनवाई के लिये तारीख नियत की गई है।

मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय देव शुक्ल ने बताया कि जनहित याचिका में सहारा के साथ 17 सम्बंधित संस्थाओं, मंत्रालयों और उससे जुड़े अधिकारियों को पार्टी बनाया गया है।

संविधान दिवस पर रोपे पौधः दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । संविधान दिवस के अवसर पर मंगलवार को महिला कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्रम प्रकोष्ठ की प्रदेश महासचिव मंजू पाण्डेय ने हंसराजलाल इण्टर कालेज गनेशपुर में पौधरोपण कर संदेश दिया कि संविधान कमजोर न पड़ने पाये। पौधरोपण के बाद कांग्रेस नेता मंजू पाण्डेय ने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार संविधान को परिवर्तित करना चाहती है किन्तु कांग्रेस के चलते उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और नव निर्वाचित सांसद वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी के साथ ही पूरी पार्टी संविधान की रक्षा के लिये एकजुट है।

संविधान दिवस के अवसर पर पौधरोपण करने वालों में प्रधानाचार्य डा. देवेन्द्रनाथ मिश्र, कांग्रेस नेता अवधेश सिंह, जय प्रकाश मिश्र, रघुवीर सिंह, कमल किशोर शुक्ल, चन्द्रशेखर उपाध्याय आदि शामिल रहे।

समाजवादियों ने मनाया संविधान दिवस लिया संविधान के रक्षा का संकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में पार्टी कार्यालय पर संविधान दिवस मनाया गया। सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ संविधान के रक्षा का संकल्प लिया।

संविधान के 75वीं सालगिरह पर आयोजित कार्यक्रम में सपा विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि संविधान के द्वारा ही हम भारतवासियों को अनेक मौलिक अधिकार प्राप्त हुआ है। केन्द्र सरकार और संघ एवं भारतीय जनता पार्टी के लोग संविधान को बदल देना चाहते हैं। उनका मंसूबा सफल न होने पाये इसके लिये हम सबको एकजुट होकर रचनात्मक संघर्ष करना होगा। विधायक राजेन्द्र चौधरी

ने कहा कि संविधान सुरक्षित रहेगा तभी पात्रों को आरक्षण और सुविधाओं का मिलना जारी रह सकेगा। विधायक कविन्द्र चौधरी अतुल ने कहा कि संविधान की रक्षा हम सबका दायित्व है। इसकी रक्षा के लिये समाजवादी सोच को मजबूत करना होगा।

संविधान दिवस के अवसर पर सपा कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम को मो. स्वालेह, मो. सलीम, संजय गौतम, जमील अहमद, पंकज मिश्र आदि ने सम्बोधित करते हुये संविधान के महत्व और उपयोगिता को रेंखाकित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से गुलाब सोनकर, धीरेसेन निषाद, चन्द्र प्रकाश चौधरी, राम सुरेश यादव, देवनाथ यादव, अजय यादव, आमिश खान, मो. हारिश, प्रशान्त यादव, राहुल सिंह, वीरेन्द्र यादव, मुरली पाण्डेय, जसराज यादव, बब्बू यादव, हनुमान गौड़, विशाल चौधरी आदि शामिल रहे।

सामूहिक विवाह में एक दूजे के हुये 514 जोड़ेः नकली उपहार देने का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती में मंगलवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का प्रोग्राम राजकीय इण्टर कालेज के मैदान में हुआ। इसमें 514 गरीब बेटियों की शादी कराई गई. आरोप है कि इस दौरान शादी में बेटियों को उपहार के तौर पर नकली सामान बांट दिए गए।

शादी के दौरान जब बेटियों को समाज कल्याण विभाग की तरफ से उपहार में दिए जाने वाले समान दिए गए, तो दुल्हन और दूल्हे सहित उनके परिवार के लोगों के होश उड़ गए. नियम और मानकों की धज्जियां उड़ाते हुए गरीब बेटियों की गरीबी का जमकर मजाक बनाया गया. आभूषण में नकली पायल, श्रृंगार में मिलने

वाले सामानों में नकली कुकर, लिपिस्टिक, शीशा, बर्तन सहित घटिया गुणवत्ता की साड़ी देकर समाज कल्याण अधिकारी और ठेकेदार ने मिलकर पूरे बजट का बंदरबांट कर लिया।

इस बात की जानाकारी जैसे ही हिन्दू संगठनों को लगी, तो वे मौके पर पहुंचे. विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष दल बल के साथ पहुंचे. वहां उन्होंने समाज कल्याण विभाग द्वारा दिए जा रहे उपहार की जांच की. तो देखा, करीब सभी समान नकली है. यहां तक कि पायल भी नकली थमा दी गयी. इसके बाद हंगामा होने लगा और कई दुल्हनों ने इसका विरोध किया। सामूहिक विवाह योजना में की जा रही कमीशनखोरी से पर्दा उठाने वाले विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष और महामंत्री ने बताया कि गरीब बेटियों की गरीबी का मजाक बनाया जा रहा है।

डायट में चार दिवसीय जीवन कौशल प्रशिक्षण शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में मंगलवार को डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के निर्देशन में चार दिवसीय जीवन कौशल प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता डॉ रविनाथ एवं डॉ ऋचा शुक्ला ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा चिन्हित 10 जीवन कौशलों के बारे में प्रशिक्षण में बताया जाएगा। बताया कि 10 जीवन कौशल में स्वजागरूकता, सामानुभूति, सृजनात्मकता, निर्णय लेना, समस्या समाधान, प्रभावी संप्रेषण, पारस्परिक संबंध, तनाव प्रबंधन, समालोचनात्मक चिंतन और भावना प्रबंधन शामिल है। संदर्भदाता अजीत सिंह, संघमित्रा गुप्ता,

सुरभि ओझा, रमेश विश्वकर्मा, रामगोपाल पाठक, अमरेंद्र सिंह, श्रुति त्रिपाठी ने प्रशिक्षण के पहले दिन विभिन्न जीवन कौशलों के बारे में विस्तार से बताया। प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न तरीके की प्रस्तुति दी गई। प्रशिक्षण में पूरे जनपद से 200 प्रतिभागी शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में कुलदीप चौधरी, वर्षा पटेल, सरिता चौधरी, शशि दर्शन त्रिपाठी, अमन सेन, इमरान खान, अलीउद्दीन, माता प्रसाद, विनोद चौधरी, वीरेंद्र कुमार, संदीप यादव, शिवम मिश्र आदि ने सहयोग किया।

निःसन्तान दम्पत्तियों के लिये वरदान साबित हो रहा है श्री कृष्णा मिशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। निःसन्तान दम्पत्तियों के लिये श्री कृष्णा मिशन हास्पिटल वरदान साबित हो रहा है। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. शोमा शा गुप्ता के प्रयास से अब तक 100 से अधिक निःसन्तान दम्पत्तियों को मुस्कुराने का मौका दिया। डा. शोमा शा गुप्ता ने बताया कि बदलती जीवन शैली में निःसन्तान, बांझपन आदि की समस्या लगातार बढती जा रही है। सूझ बूझ और समुचित उपचार से इस समस्या का समाधान संभव है।

चेयरमैन बसन्त चौधरी ने बताया कि श्री कृष्णा मिशन हास्पिटल

की स्थापना सेवा के जिन उद्देश्यों को लेकर की गई थी वह लक्ष्य धीरे–धीरे पूरा हो रहा है। निःसन्तान दम्पत्तियों को सन्तान दिलाने की दिशा में जो प्रयास है उसके लिये चिकित्सकों विशेषकर डा. शोमा शा गुप्ता और अस्पताल में उपलब्ध अत्याधुनिक तकनीकों, विशेष जांच पद्धति का बडा योगदान है।

संविधान दिवस पर छात्रों में किया शैक्षणिक सामग्री का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। संविधान दिवस के 75 वीं साल गिरह पर मंगलवार को भीम पाठशाला समिति अध्यक्ष रामशंकर आजाद और कोषाध्यक्ष मूलचन्द आजाद के संयोजन में मंगलवार को साऊंघाट विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय नरियांव के छात्र–छात्राओं में शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया।

समिति अध्यक्ष रामशंकर आजाद ने कहा कि बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर ने देश को जो लिखित संविधान दिया उसी के चलते देश के गरीबों, वंचितों, दलितों को अनेक मौलिक अधिकार प्राप्त हुये। इस संविधान की रक्षा करना हम सबका दायित्व है। कोषाध्यक्ष मूलचन्द आजाद ने कहा कि बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर ने शिक्षा पर सर्वाधिक जोर

दिया था। कहा कि चाहे जितनी घोर गरीबों हो लेकिन अपने बच्चों को शिक्षित अवश्य करें तभी देश , समाज और बाबा साहब का सपना पूरा होगा।

इस मौके पर मुख्य रूप से समिति के जिला उपाध्यक्ष डा. अरूण राज भारती, शिक्षक विकास कुमार श्रीवास्तव, त्रियुगी के साथ ही कृष्ण मोहन यादव, विकास कुमार, मो. कलीम, राना प्रवीन, विद्या सागर आदि शामिल रहे। छात्रों को जब कापी, पेन्सल आदि मिला तो उनके चेहरों पर मुस्कान थी।

भ्रष्टाचार, धन उगाही, शोषण के खिलाफ भारत मुक्ति मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती ।भारत मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन के नेतृत्व में मोर्चा पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि थाना, तहसील, अस्पताल और स्कूल आदि में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जाय।

ज्ञापन सौंपने के बाद अनेक मामलों का उदाहरण देते हुये मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का दावा करते हैं किन्तु स्थिति ये है कि गरीबों, दलितों आर वंचित समाज की सुनवाई थाना, तहसील, अस्पताल और स्कूल आदि में नहीं हो रही है। पीड़ितों को आये दिन दौड़ाया जा रहा है। बताया कि वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के मंझरिया के पूर्व प्रधान राम वृक्ष यादव और उसके साथियों ने अनुसूचित परिवार के घर पर हमला बोलकर मारपीट और गाली गलौज किया। इस

सम्बन्ध में जब वाल्टरगंज के थाना प्रभारी से मुकदमा दर्ज करने का आग्रह किया गया तो उन्होने मुकदमा दर्ज करने से ही इंकार कर दिया। यही नहीं आर.सी.सी. महाविद्यालय गनेशपुर के छात्र प्रतीक राज से स्मार्ट फोन देने के लिये तीन हजार रूपये की मांग किया गया। कहा कि आर.सी.सी. महाविद्यालय में छात्रों से मनमानी वसूली की जा रही है। इस पर रोक लगाया जाय। इसी प्रकार से कप्तानगंज थाना क्षेत्र के चेरूइया में मारपीट की घटना में तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया और उल्टे शांति भंग में चालान कर दिया। मोर्चा जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन और ठाकुर प्रेम नन्दबंशी ने कहा कि गरीबों को न्याय नहीं मिल पा रहा है और वे आर्थिक शोषण के शिकार है। इस पर रोक लगाया जाय।

ज्ञापन सौंपने वालों में बुद्धेश राना, राम सुमेर यादव, रामतौल, मुन्नीलाल, सुदर्शनदास, कृपाशंकर चौधरी, मनोरमा, अशोक कुमार, मनोज कुमार, मुकेश चन्द्र, पूरन कुमार, झिनकान, प्रीतम, नीलम, अजीम आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 नवम्बर 2024 बुधवार

सम्पादकीय

संकट में बचपन

अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर—जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण होगा। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर जलवायु संकट का खतरा अलग से मंडराने लगा है। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यह एक हकीकत है कि वर्ष 2021 तक भारत बच्चों पर जलवायु जोखिम सूचकांक में 163वें स्थान पर रहा है। लेकिन इस सदी के मध्य तक स्थिति खासी चुनौतीपूर्ण होने की आशंका है। यूनिसेफ का आकलन है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते वर्ष 2050 तक बच्चों को वर्ष 2000 की तुलना में आठ गुना अधिक तपिश झेलनी पड़ सकती है। दरअसल, हाल ही में यूनिसेफ ने 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' शीर्षक अपनी सालाना रिपोर्ट में भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों का मंथन किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। दरअसल, यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे वर्तमान में उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है।

निस्संदेह, यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति—नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। खासकर लगातार गहरे होते जलवायु संकट के बीच बच्चों की सेहत, शिक्षा और पेजयल जैसे जीवन के जरूरी संसाधनों की सहज उपलब्धता की दृष्टि से। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, अनुमान लगाया जा रहा है कि वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी शहरों में रह रही होगी। जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं। इसमें बच्चों की शिक्षा, उनकी सेहत और कौशल विकास की जरूरतों के अनुरूप शहरी तंत्र को विकसित करें। निश्चित रूप से इसके लिये बड़े निवेश की भी जरूरत होगी। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम मेधा का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम मेधा जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों—नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

स्वराज से सुराज तक संविधान की यात्रा

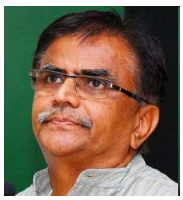

—ओमप्रकाश धनखड़—

भारत का संविधान अपने शानदार 75 वर्ष पूरे कर रहा है, भारत सरकार व देश ने 26 नवंबर से 26 जनवरी तक संविधान की हीरक जयंती मनाने का निर्णय किया है, 26 नवंबर को देश भर में संविधान दिवस के कार्यक्रम सम्पन्न हो रहे हैं। देश का जन संविधान व संविधान की विशेषताएं, संविधान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेगा व अधिक जागरूकता के साथ जहां अपने अधिकारों व कर्तव्यों को समझेगा। वहीं, संविधान की ताकत व संवेदनशील मुद्दों को भी आत्मसातद्द् करेगा।

75 वर्ष की इस शानदार यात्रा में भारत एक सुदृढ़ लोकतांत्रिक देश के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है। दुनिया के बहुत सारे देश भारत को अपने आदर्श के रूप में देखते हैं। आम भारतीय भी दुनिया के इस नजरिये से अपने को गौरवान्वित महसूस करता है। वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 19 देशों का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान मिलना, भारत के सम्मान का द्योतक है। संविधान की 75 वर्ष की यात्रा में संविधान ने अनेक प्रश्नों को झेला है। पुराने कधनूनों का बोझ, बदलते युगानुरूप नये कधनून, आपातकाल और उसमें नागरिक अधिकारों की अनुपस्थिति—लोकतंत्र का काला अध्याय, बार—बार तोड़ी गई विपक्षी सरकारें, अल्पमत सरकारों के संकट से संविधान सफलतापूर्वक गुजरा है, सदैव अपने नये कलेवर में संसाधनों के साथ, अधिक तेजस्विता के साथ उपस्थित हुआ है।

पिछले लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक चर्चा में भारतीय संविधान ही था। विपक्ष द्वारा उठाई, संविधान की पुस्तक सर्वाधिक मीडिया की सुर्खध्यिां बनी। एक छद्म विमर्श उपस्थित किया गया संविधान बदलने का। जन मानस पर उसका असर भी दिखाई दिया। लेकिन आज सहज जागरूक नागरिक के रूप में हम भारत के लोग उस विमर्श से सत्य पर आ गये, क्योंकि सत्य हर विमर्श को ढाह देता है। सामयिक संशोधनों के साथ—साथ, भारत का संविधान अपने मौलिक स्वरूप में सदैव अवस्थित रहा है।

आजादी का सूरज उदय होने के समय, हमारे संविधान निर्माण के लिए भारतीय संविधान सभा के सदस्य जुलाई, 1946 में चुने गए थे। संविधान सभा की पहली बैठक दिसम्बर, 1946 में हुई थी। इसके बाद देश दो भागों भारत और पाकिस्तान में बंट गया था। संविधान सभा भी दो हिस्सों में बंट गई दृ भारत की संविधान सभा और पाकिस्तान की संविधान सभा। भारतीय संविधान लिखने वाली सभा में 299 सदस्य थे जिसके अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे। संविधान सभा ने 26 नवम्बर, 1949 में अपना काम पूरा कर लिया। इसी संविधान प्रारूप लेखन समिति के अध्यक्ष डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी ने संविधान की पहली प्रति संविधान सभा के अध्यक्ष डॉध् राजेंद्र प्रसाद जी को समर्पित की। 26 जनवरी, 1950 को हमारा यह संविधान लागू हुआ। इसी दिन की याद में भारत में हर वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। जो एक महान पर्व बन गया है। भारतीय संविधान को पूर्ण रूप से तैयार करने में 2 वर्ष, 11 माह, 18 दिन का समय लगा था।

भारत के संविधान का मूल आधार ब्रिटिश भारत सरकार अधिनियम 1935 को माना जाता है। इस में लगभग 250 अनुच्छेद इस अधिनियम से लिये गए हैं। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है। दुनिया में शासन बनते ही शासन चलाने के नियम बनाने पड़े, यही नियम आज दुनिया के देशों में संविधान के रूप में है। सदैव एक ही प्रकार के नियमों से संचालन संभव नहीं है, स्थिति के बदलाव के साथ ही नियमों में बदलाव आवश्यक है। हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान संशोधन का प्रावधान तय किया।संविधान निर्माण के समय मूल संविधान में 395 अनुच्छेद जो 22 भागों में विभाजित थे, इसमें केवल 8 अनुसूचियां थीं। भारतीय संविधान में वर्तमान समय में भी 448 अनुच्छेद, तथा 12 अनुसूचियां हैं और ये 25 भागों में विभाजित हैं। हमारे संविधान ने अपने मूल रूप में स्थापित रहते हुए, आवश्यक बदलावों को सहज अंगीकार किया है। इन 75 वर्षों में स्वराज से सुराज की यात्रा भारत के संविधान ने की है। नागरिक अधिकारों की सुरक्षा की है। सहजता से शासन के बदलाव की परम्परा को कधयम किया है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अखंड रखा है।

भारत के लोगों का संविधान पर विश्वास प्रगाढ़ हुआ है। हम भारत के लोग अपने संविधान के माध्यम से भारत के सम्पूर्ण प्रभुता सम्पन्न राष्ट्र, मजबूत लोकतंत्र, सर्वधर्म समभाव, अंतिम व्यक्ति की प्रगति के विशेष अवसरों के साथ—साथ विषमता आर्थिक व सामाजिक विषमता समाप्त करने और राष्ट्र के रूप मे एक विकसित राष्ट्र बनाने में कामयाब हो रहे हैं। भारत के संविधान की देखरेख भारत की अमृत पथ यात्रा की ओर अग्रसर है। संविधान के हर पहलू पर विशेष अध्ययन के रूप में इस हीरक जयंती को हम मनायें।

संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे सवाल

—ललित गर्ग—

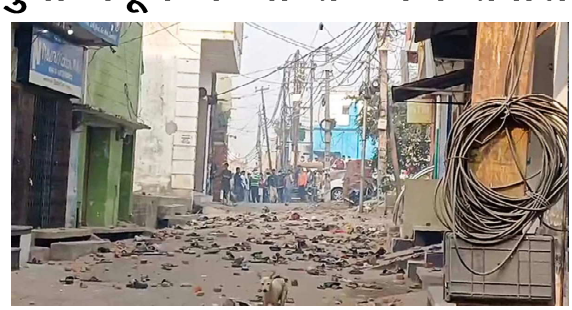

यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है कि उत्तर प्रदेश के संभल में एक बार फिर एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों ने जो हिंसा, नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलायी, वह भारत की एकता, अखण्डता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भड़क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडम्बनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। निःसंदेह इस सम्प्रदाय विशेष को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब देश कई चुनौतियों से दो—चार है, तब राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव को बल देना सबकी पहली और साझी प्राथमिकता बननी चाहिए। एक उन्मादी, विभाजित और वैमनस्यग्रस्त समाज न तो अपना भला कर सकता है और न ही देश को आगे ले जा सकता है। समय आ गया है कि उन मूल कारणों पर विचार किया जाए, जिनके चलते साम्प्रदायिक तनाव, नफरत एवं द्वेष बढ़ाने वाली घटनाएं थम नहीं रही हैं।

संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए। रविवार को सर्वे के दौरान जिस तरह पुलिस पर पथराव किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ उन्हें आग के हवाले किया गया, उससे लगता है कि कुछ उन्मादी तत्वों ने उपद्रव की तैयारी कर रखी थी। ऐसी घटनाएं सामाजिक तानेबाने को क्षति पहुंचाने के साथ कानून एवं व्यवस्था के समक्ष चुनौती भी खड़ी करती हैं। यह चिंता की बात है कि यह एक चलन सा बनता जा रहा है कि जब सार्वजनिक स्थलों पर कोई धार्मिक आयोजन होता है, किसी अदालती आदेश पर जांच कार्य होता है तो प्रायः पहले किसी बात को लेकर विवाद होता है और फिर हिंसा शुरू हो जाती है। कई बार तो यह हिंसा बड़े पैमाने पर और किसी सुनियोजित साजिश के तहत होती दिखती है। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई भीषण हिंसा यही संकेत करती है कि उसे लेकर पूरी तैयारी की गई थी।

संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार—बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर—मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या कुछ राजनीतिक दल एवं सम्प्रदाय विशेष के लोग किसी भी बहाने भड़कने और हिंसा करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं? वास्तव में जैसे यह एक सवाल है कि क्या भारतीय संस्कृति के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़े इन धार्मिक स्थलों के नाम पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी करना जरूरी समझ लिया गया है? इन प्रश्नों पर संकीर्ण धार्मिकता से परे होकर गंभीरता के साथ विचार होना चाहिए। इसी तरह पुलिस प्रशासन को भी यह देखना होगा कि वैमनस्य बढ़ाने वाली घटनाएं क्यों बढ़ती चली जा रही हैं?

यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर—मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल—बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव, सौहार्द एवं शांति बनी रहेगी। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त हिंसा एवं नफरत कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर—मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया। अतीत में हुए इन ज्यादतियों, अत्याचारों एवं विध्वंस घटनाक्रमों को सुधारने की संभावनाएं किसी भी दृष्टि से गलत नहीं कही जा सकती।

देश का चरित्र बनाना है तथा स्वस्थ, सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण समाज की रचना करनी है तो हमें एक ऐसी आचार संहिता को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे एवं कदाचार—संकीर्णता—कट्टरता के इस अंधेरे कुएँ से निकाले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, जबकि हमने इसका राजनीतिकरण कर परिणाम को महत्व दे दिया। घटिया उत्पादन के पर्याय के रूप में जाना जाने वाला जापान आज अपनी जीवन शैली को बदल कर उत्कृष्ट उत्पादन का प्रतीक बन विश्वविख्यात हो गया। यह राष्ट्रीय जीवन शैली की पवित्रता का प्रतीक है। इसी तरह भारत भी आज विश्वविख्यात होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, तो उसकी बढ़ती साख एवं समझ को खण्डित करने वाली शक्तियों को सावधान करना ही होगा। भारत जैसी माटी में जन्म लेना बड़ी मुश्किल से मिलता है। विश्व बंधुत्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा वाला यह राष्ट्र विभिन्न संस्कृतियों एवं सम्प्रदायों को अपने में समेटे है तो यह यहां के बहुसंख्यक समुदाय की उदार सोच का ही परिणाम रहा है, इसी बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय को आखिर कब तक कमजोर किया जाता रहेगा? क्यों किया जायेगा? कल पर कुछ मत छोड़िए। कल जो बीत गया और कल जो आने वाला है— दोनों ही हमारी पीठ के समान हैं, जिसे हम देख नहीं सकते। आज हमारी हथेली है, जिसकी रेखाओं को हम देख सकते हैं। अब हथेली की रेखाओं को कमजोर करने एवं उसे लहूलुहान होते हुए नहीं देखा जा सकता?

एक सम्प्रदाय विशेष के हिंसक हमलों ने आज तेजी के साथ हिंसा, असहिष्णुता, नफरत, बिखराव और घृणा की साम्प्रदायिक जीवन शैली का रूप ग्रहण कर लिया है। यह खतरनाक स्थिति है, कारण सबको अपनी—अपनी पहचान समाप्त होने का खतरा दिख रहा है। भारत मुस्लिम सम्प्रदायवाद से आतंकित रहा है। आवश्यकता है धर्म को प्रतिष्ठापित करने के बहाने राजनीति का खेल न खेला जाए। धर्म और सम्प्रदाय के भेद को गड्मड् न करें। धर्म सम्प्रदाय से ऊपर है। धर्म में धार्मिकता आये, कट्टरता न आये। राजनीति में सम्प्रदाय न आये, नैतिकता आए, आदर्श आए, श्रेष्ठ मूल्य आएँ, सहिष्णुता आये, सह—अस्तित्व के प्राचीन मूल्य एवं जीवनशैली आये। अतः सम्प्रदायवाद से ऊपर उठकर सार्वभौम धर्म का साक्षात्कार ही हममें नवीन आत्मविश्वास, सशक्त भारत—विकसित भारत का संचार करेगा। उपनिषदों में कहा गया है कि सभी मनुष्य सुखी हों, सभी भयमुक्त हों, सभी एक—दूसरे को भाई समान समझें। यह भारतीय धर्म चिन्तन का निचोड़ है और यही हिन्दू धर्म का निचोड़ है। जहां विश्व एक ही नीड़—सा लगे। भारत में हिन्दू—मुस्लिम हित परस्पर टकरा रहे हैं, इसलिए साम्प्रदायिकता बढ़ रही है। धार्मिकता नष्ट हो रही है। साम्प्रदायिकता का जन्म अनेक जटिल तत्वों से जुड़ा है— आर्थिक, धार्मिक एवं मनोवैज्ञानिक। इसमें मनोवैज्ञानिक ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमारा जीवन दिशासूचक बने। गिरजे पर लगा दिशा—सूचक नहीं, वह तो जिधर की हवा होती है उधर ही घूम जाता है। कुतुबनुमा बने, जो हर स्थिति में सही दिशा बताता है।

रोशनी दिखाता संविधान

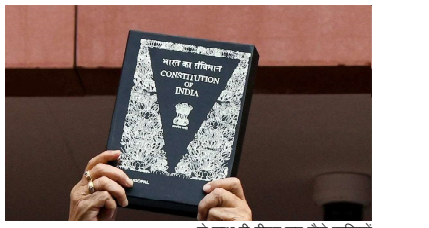

—उमेश चतुर्वेदी—

भारतीय संविधान इमरजेंसी लाइट की तरह है। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद—ब—खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक—आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है।

भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था।

इसी भारतीय संविधान ने 26 नवंबर के दिन 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। 64 लाख रूपए के कुल खर्च और दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर को हमने संविधान के निर्माता के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन संविधान के निर्माण में 389 सदस्यों के साथ ही बीएन राव जैसे व्यक्तियों का योगदान कम नहीं रहा। भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप—प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्ह राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी। मद्रास और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़े राव 1910 में भारतीय सिविल सेवा के लिए चुने गए। साल 1939 में राव को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया। इसके बाद जम्मू—कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 1944 में उन्हें अपना प्रधानमंत्री बनाया। भारत सरकार के संविधान सलाहकार के नाते उन्होंने वर्ष 1945 से 1946 तक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि की यात्रा की और तमाम देशों के संविधानों का अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने 395 अनुच्छेद वाले संविधान का पहला प्रारूप तैयार करके संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. आंबेडकर को सौंप दिया।

29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति की बैठक में कहा गया कि संविधान सलाहकार बीएन राव द्वारा तैयार प्रारूप पर विचार कर उसे संविधान सभा में पारित करने हेतु प्रेषित किया जाए। संविधान सभा में संविधान का अंतिम प्रारूप प्रस्तुत करते हुए 26 नवंबर 1949 को भीमराव आंबेडकर ने जो भाषण दिया था, उसमें उन्होंने संविधान निर्माण का श्रेय बीएन राव को भी दिया है।

भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं। मूल अधिकारों की व्यवस्था के साथ ही कानून के सामने सभी नागरिकों के बराबर होने की बात भारतीय संविधान की ताकत है। भारतीय संविधान कठोर भी है तो लचीला भी है। आजादी के बाद से लेकर अब तक संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं। कुछ जानकार इसे संविधान की कमजोरी बताते हैं तो कई के अनुसार यह संविधान की ताकत है। इन संशोधनों के बहाने तर्क दिया जाता है कि अपना संविधान जड़ नहीं है।

बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़, गोली लगने से एक घायल, चार गिरफ्तार

संवाददाता—गोण्डा। मंगलवार तड़के एसयूवी सवार बदमाशों व पुलिस के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान एक बदमाश को पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। वहीं, तीन अन्य बदमाशों को घेरकर गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से एसयूवी, तमंचा, कारतूस, खोखा और नकदी बरामद किया गया है। घायल बदमाश को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। मुठभेड़ नगर कोतवाली क्षेत्र में बनवरिया मोड़ के पास हुई। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि सोमवार देर रात सूचना के बाद नगर कोतवाली, देहात कोतवाली और एसओजी टीम ने बदमाशों की घेराबंदी की गई। तड़के करीब 3ः30 बजे कटहाघाट के पास बनवरिया मोड़ पर एसयूवी व बाइक सवार बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया गया। बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम की जवाबी फायरिंग में अभिनव उर्फ रौनक सिंह के पैर में गोली लगी। उसे घायल अवस्था में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। मौके से भाग रहे अन्य तीन बदमाशों को दौड़ाकर दबोचा गया। आरोपियों के कब्जे से एसयूवी, बाइक, तमंचा, कारतूस, खोखा, 25 हजार रुपये की नकदी और दो मोबाइल फोन बरामद किया। पुलिस का दावा है कि घायल बदमाश अभिनव प्रताप सिंह उर्फ रौनक के खिलाफ मारपीट की धाराओं में केस दर्ज है। शातिर बदमाश लगातार लूट की वारदात को अंजाम दे रहे थे। नगर कोतवाल मनोज कुमार पाठक ने बताया कि अन्य बदमाशों के आपराधिक इतिहास जुटाए जा रहे हैं। नगर कोतवाली मनोज पाठक, देहात कोतवाल संजय कुमार सिंह और एसओजी प्रभारी शादाब आलम की अगुवाई में परसपुर इलाके के नंदौर निवासी अभिनव प्रताप सिंह उर्फ रौनक, आकाश सिंह के अलावा थाना कोतवाली नगर के न्यू मेवातियान निवासी रिषभ सिंह के अलावा कटरा बाजार के परसौना डिहवा निवासी आदर्श पांडेय को गिरफ्तार किया गया है।

कसया मार्ग पर सड़क हादसे में दो की मौत, एक गंभीर

संवाददाता—देवरिया। तरकुलवा—कसया मार्ग पर सोमवार की देर रात हुए सड़क हादसे में अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक पर सवार दो युवकों की मौत हो गई। तीसरे युवक का मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। मौत की सूचना मिलते ही युवकों के परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जिले के रूद्रपुर बाजार के रहने वाले आकाश रावत (उम्र 23) का तरकुलवा थाना क्षेत्र के सोन्हुला रामनगर में ननिहाल है। सोमवार को वह अपने मामा रामप्यारे के घर तिलक में आया था। भोजन करने के बाद देर रात आकाश और सोन्हुला रामनगर के उसके दो दोस्त जितेंद्र राजभर और सतीश घर से पेट्रोल भराने की बात कहकर एक ही बाइक से कसया की ओर चल दिए। इसी दौरान तरकुलवा—कसया मार्ग के सोन्हुला रामनगर के नौका टोला के करीब सामने से आ रही किसी अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। इससे तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। सूचना पर तरकुलवा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को मेडिकल कॉलेज देवरिया भिजवाया। मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में आकाश और जितेंद्र(24) की मौत हो गई। सतीश का इलाज चल रहा है।

आए दिनों लोग सड़क हादसे में अपनी जान गंवा रहे हैं। अधिकतर मामलों में घटना के समय लोगों ने हेलमेट नहीं पहना था। सोमवार को भी बाइक और अज्ञात वाहन की भिड़त में किसी ने हेलमेट नहीं पहना था। नतीजा सिर पर गंभीर चोट लगी और दो की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि अगर हेलमेट होता तो शायद उनकी जान बच गई रहती। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों का अस्पताल भेजा गया। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे नौकरी कर रहे पांच शिक्षक बर्खास्त, छह महीने पहले भी पांच शिक्षकों पर गिरी थी गाज

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले में फर्जी अभिलेख के सहारे बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक के पद पर नौकरी कर रहे पांच शिक्षकों को सोमवार देर शाम बीएसए ने बर्खास्त कर दिया। इसके साथ ही जिले में इस वर्ष बर्खास्त होने वाले शिक्षकों की संख्या 10 पहुंच चुकी है। बेसिक शिक्षा विभाग में एक के बाद एक नए खुलासे हो रहे हैं। दूसरे के अभिलेख के सहारे शिक्षक बनकर जिले में तैनात पांच शिक्षकों को जांच में खुलासा के बाद सोमवार देर शाम बीएसए अजय कुमार गुप्ता ने बर्खास्त कर दिया है। यह सभी सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थे।

बर्खास्त होने वालों में जमुनहा विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय ददौरा के सहायक अध्यापक विनोद कुमार, प्राथमिक विद्यालय नगईगांव के सतीश, प्राथमिक विद्यालय त्रिलोकपुर के राहुल वर्मा व सिरसिया विकास क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय जोगन भरिया के कर्मवीर सिंह, प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मनपुर मजगवां के सहायक अध्यापक सुमित शर्मा का नाम शामिल है जिन्हें बीएसए की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी की गई थी लेकिन इन शिक्षकों ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसके बाद यह कार्रवाई की गई है।

विज्ञापन कूट रचित दस्तावेज के सहारे नौकरी कर रही गिलौला के प्राथमिक विद्यालय पिपरी की प्रधानाध्यापिका रीता देवी, जमुनहा के कंपोजिट विद्यालय गयादत्त पुरवा में शिक्षक राजन शर्मा, प्राथमिक विद्यालय लालबोझा दरवेश गांव के सहायक अध्यापक सोनू सरिता, उच्च प्राथमिक विद्यालय बन्दिहवा की विजय लक्ष्मी सिंह, प्राथमिक विद्यालय गोठवा के शिक्षक विजय प्रकाश को नवंबर माह में ही बर्खास्त कर दिया गया था। जबकि प्राथमिक विद्यालय परेवपुर सोहेलवा पुरवा की शिक्षिका चंद्रप्रभावटी नौकरी छोड़ कर फरार है। वहीं कार्रवाई से बचने के लिए वीरपुर बगही के शिक्षक अरुण कुमार ने उच्च न्यायालय की शरण लिया है।

जमुनहा के प्राथमिक विद्यालय हरदत्त नगर गिरंट के रामनवल चौधरी, हरिहरपुररानी के असई पुरवा प्राथमिक विद्यालय के सुभाष चंद्र, गिलौला के नारायनपुर प्राथमिक विद्यालय की प्रधान शिक्षिका रमा तिवारी, गुजरवारा प्राथमिक विद्यालय की प्रतिमा तिवारी व इकौना के सेमरी तरहर द्वितीय के विनय कुमार की जांच चल रही है। बीएसए के अजय कुमार गुप्ता का कहना है कि बर्खास्त शिक्षकों पर एफआईआर दर्ज कराने के साथ ही उनसे अब तक प्राप्त किए वेतन की रिकवरी भी की जाएगी। शेष शिक्षकों की जांच अभी जारी है। जैसे जैसे जांच पूरी होगी कार्रवाई की जाएगी।

पैसा लिया और नहीं बनवाए पीएम आवास, कार्रवाई तय

संवाददाता—गोण्डा। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत लाभार्थियों के आवास निर्माण में लापरवाही और गड़बड़ी की शिकायतों पर डीएम नेहा शर्मा ने कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने डीडीओ को जांच रिपोर्ट के आधार पर सख्त रुख अपनाया है। जांच रिपोर्ट के मुताबिक लाभार्थियों ने धनराशि प्राप्त करने के बावजूद आवास निर्माण अधूरा छोड़ दिया। मामला करनैलगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत पाण्डेय चौरा का है। जांच में यह खुलासा हुआ कि 8 लाभार्थियों में से तीन ने कोई निर्माण कार्य ही नहीं कराया। जबकि, अन्य लाभार्थियों ने केवल दीवारों की चिनाई कराकर छत का काम अधूरा पड़ा था। हैरानी की बात यह है कि इन लाभार्थियों को बिना मौके पर जाकर सत्यापन किए ही पूरी धनराशि की किस्तें जारी कर दी गई जिससे मामला और भी संदिग्ध हो गया। डीएम नेहा शर्मा ने जांच रिपोर्ट मिलने के बाद इस प्रकरण को बेहद गंभीरता से लिया। उन्होंने आदेश दिया कि जिन कर्मचारियों की रिपोर्ट के आधार पर दूसरी और तीसरी किस्तें जारी की गई उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। साथ ही संबंधित लाभार्थियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि वे आगामी 10 दिनों के भीतर इस मामले में कार्रवाई की रिपोर्ट उन्हें प्रस्तुत करें। डीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं जाएगी। सरकारी धन का सही तरीके से उपयोग पूरी तरह से सुनिश्चित किया जाएगा।

दो पैसेंजर ट्रेन बंद, महाराजगंज के यात्रियों में हाहाकार

संवाददाता—महाराजगंज। गोरखपुर—नरकटियागंज रेलमार्ग पर रेल प्रशासन ने घने कोहरे का हवाला देते हुए दो सवारी गाड़ियों अप 05497, 05449 तथा डाउन 05498 व 05450 ट्रेनों का संचालन चार दिनों के लिए बंद कर दिया है। इसको लेकर सफर करने वाले यात्रियों में हाहाकार मच गया है। ट्रेन संचालन को बंद करने के फैसले से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। अधिवक्ता पंकज कुमार सिंह का कहना है कि न्यायालय कार्य के लिए प्रतिदिन गोरखपुर जाना होता है। सिसवा से गोरखपुर जाने का एक मात्र साधन ट्रेन ही है। रेल विभाग द्वारा एकाएक चार दिनों के लिए पैसेंजर ट्रेनों का संचालन ठप कर देने से दिक्कत बढ़ गई है। विभाग यात्रियों के सुविधा को देखते हुए पहले इसकी कोई वैकल्पिक व्यवस्था करना चाहिए थी। व्यापारी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि ट्रेनों के संचालन बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी मरीज और उनके परिजनों को झेलनी पड़ेगी। दवा व्यवसायी धीरज तिवारी का कहना है कि विगत कई माह से ट्रेनों का संचालन विलंब था। ट्रेनों के आने व जाने का कोई निश्चित समय नहीं है। ऐसे में विभाग ने दो जोड़ी सवारी गाड़ियों का संचालन ठप कर मुसीबत खड़ी कर दी है। पनियहवां, खड्डा, घुघली, खुशहाल नगर, बोदरवार व उनौला सहित हाल्ट स्टेशनों पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं होता है। सिसवा क्षेत्र में ईंट भट्ठा के व्यवसायी अशोक कुमार सिंह का कहना है कि विगत दो वर्षो से ट्रेन परिचालन को लेकर सरकार की नाकामी सामने आई है। पूरे देश की ट्रेनों का संचालन का हाल बेहद ही खस्ता है। प्रमोद कुमार, सहायक स्टेशन अधीक्षकने कहा कि कोहरे के कारण रेल बोर्ड के उच्चाधिकारियों के निर्देश पर 25 से 28 नवंबर तक दो जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों को बंद किया गया है। उच्चाधिकारियों के अगले आदेश के बाद पुनः ट्रेनों का संचालन प्रारंभ हो जाएगा।

छात्रवृत्ति के लिए 15 जनवरी तक कर सकेंगे आवेदन

संवाददाता—गोण्डा। वित्तीय व शैक्षिक सत्र 2024—25 में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए प्री मैट्रिक और पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप व शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए दूसरे चरण की समय सारिणी तय कर दी गई है। अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के कक्षा 9,10 और कक्षा 11, 12 के छात्र—छात्राएं पूर्व दशम छात्रवृत्ति (प्री मैट्रिक) और दशमोत्तर छात्रवृत्ति (पोस्ट मैट्रिक) व शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन 15 जनवरी 2025 तक कर सकेंगे। वहीं, अन्य दशमोत्तर कक्षाओं के लिए भी 15 जनवरी तक आवेदन हो सकेंगे। शैक्षणिक संस्थान 18 जनवरी तक स्कॉलरशिप आवेदन को सत्यापित करके आगे की कार्यवाही के लिए भेजेंगे। इस योजना का उद्देश्य पिछड़े वर्ग के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन देना और उनके आर्थिक बोझ को कम करना है। छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटाइज्ड कर दिया गया है। इससे पारदर्शिता और त्वरित वितरण सुनिश्चित हो सके। ओबीसी छात्रों को पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। द्वितीय चरण की समय सारिणी के अनुसार 31 दिसंबर तक सभी शिक्षण संस्थानों को मास्टर डाटा में सम्मिलित किया जाएगा। इसके बाद 5 जनवरी 2025 तक विश्वविद्यालय, एफिलिएटिंग एजेंसियों और जिला विद्यालय निरीक्षकों द्वारा फीस अभिलेखों का सत्यापन पूरा किया जाएगा।

सड़क हादसा में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत, एक गंभीर

संवाददाता—देवरिया। सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवकों को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिसमें दो युवकों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा देवरिया के तरकुलवा थाना क्षेत्र के ग्राम सोनहुला रामनगर के नौका टोला के पास हुआ। मृतकों की पहचान जितेंद्र राजभर (26 वर्ष) और आकाश रावत (32 वर्ष) के रूप में हुई, जबकि घायल सतीश पटेल (24 वर्ष) का इलाज महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। मृतक आकाश रावत रूद्रपुर कस्बे के शिवाला वार्ड का निवासी था और वह अपनी ननिहाल सोनहुला रामनगर गांव में तिलक समारोह में शामिल होने आया था। जानकारी के मुताबिक सोमवार रात लगभग साढ़े दस बजे वह अपने दोस्तों जितेंद्र और सतीश के साथ बाइक पर पेट्रोल भरवाने के लिए कसया जा रहे थे। इस दौरान, जैसे ही वे सोनहुला रामनगर के नौका टोला के पास पहुंचे, सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद तीनों बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना पर थाना प्रभारी मृत्युंजय राय मौके पर पहुंचे और तीनों को तत्काल महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज भेजा। रास्ते में ही जितेंद्र और आकाश ने दम तोड़ दिया, जबकि सतीश की हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय लोगों और पुलिस का कहना है कि यदि युवकों ने हेलमेट पहना होता, तो शायद उनकी जान बच सकती थी, क्योंकि हादसे के समय कोई भी युवक हेलमेट नहीं पहने हुए था।

भारत की समृद्ध विरासत और राम मंदिर की भव्यता का जश्न मनाना है

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। यूपी में पहला और पूरे देश में तीसरा देवो स्टोर का उद्घाटन मंगलवार को भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में हुआ इसके पहले दिल्ली के लाजपत नगर और पीतमपुरा में अपने पहले दो स्टोर्स इसके पहले खोले जा चुके हैं। वर्तमान समय में अयोध्या देश में नहीं बल्कि विदेश में भी इकोनामिक ग्रोथ के लिए पहले नंबर पर मानी जा रही है और लाखों की संख्या में देश—विदेश से नागरिक आ रहे हैं, अयोध्या की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए प्रत्येक व्यवसाई अपने व्यवसाय को अयोध्या में लॉन्च करना चाहता है इसी क्रम में देवो ने इस नए स्टोर के साथ रिटेल क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह स्टोर भारतीय पारंपरिक पहनावे की खूबसूरती को आधुनिक फैशन के साथ जोड़ते हुए 'मेड ऑफ इंडिया' की भावना को दर्शाता है, जो आज के फैशन—प्रेमी भारतीय पुरुषों के लिए सबसे सटीक है। अयोध्या के राम मंदिर की पवित्रता के बीच स्थित यह स्टोर देवो की संस्कृति और आधुनिकता के मेल वाली सोच को पूरी तरह से दर्शाता है।इस स्टोर में शाही शेरवानी, जो रॉयल्टी की झलक देती हैं, स्टाइलिश इंडो—वेस्टर्न परिधान, जो सांस्कृतिक सीमाओं को जोड़ते हैं।

इस अवसर पर सियाराम्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर गौरव पोद्दार ने कहा, 'अयोध्या में देवो स्टोर खोलना केवल एक नया स्टोर शुरू करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की समृद्ध विरासत और राम मंदिर की भव्यता का जश्न मानना है। यह खास जगह हमारी सोच को दर्शाती है, जिसमें हम भारत की समृद्ध विरासत का सम्मान करते हुए आधुनिक भारतीय पुरुषों को ऐसे कपड़े देते हैं जो परंपरा और स्टाइल का खूबसूरत मेल हैं। यह नया स्टोर शुरू करना देवो के खास कपड़ों को और ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की दिशा में एक और कदम है।वाईस प्रेजिडेंट विकास मल्होत्रा ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'अयोध्या में तीसरे देवो स्टोर का उद्घाटन हमारे लिए गर्व का पल है क्योंकि हम इसके साथ ही अपने रिटेल कारोबार को बढ़ा रहे हैं। अयोध्या की सांस्कृतिक महत्ता देवो की भावना के साथ पूरी तरह मेल खाती है, और यह तो बस शुरुआत है, आगे और भी कई उपलब्धियां हासिल होंगी। ऐतिहासिक अयोध्या शहर में स्थित यह नया स्टोर न केवल खरीदारी का गंतव्य है, बल्कि एक ऐसा स्थान है जहां परंपरा को नए जमाने के फैशन में बदला जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब आप देवो पहनते हैं, तो आप सिर्फ किसी अवसर के लिए तैयार नहीं होते बल्कि आप खुद उस उत्सव का हिस्सा बन जाते हैं।

संविधान दिवस पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने ली संविधान रक्षा की शपथ

संवाददाता—श्रावस्ती। मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर सभी कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान रक्षा का संकल्प दिलाया गया। वहीं स्कूलों में भी कार्यक्रम आयोजित करके बच्चों को संविधान की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों व कर्मचारियों को संविधान का संकल्प दिलाते हुए कहा कि हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व—सम्पन्न, समाजवादी, पंथ—निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज 26 नवम्बर, 1949 ई0 मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी को एतद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा, उपजिलाधिकारी संजय कुमार, उपजिलाधिकारी एसके राय, सहित कलेक्ट्रेट एवं सूचना विभाग के समस्त अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे। इसके साथ ही कार्यालय पुलिस अधीक्षक, विकास भवन एवं अन्य सरकारी कार्यालयों, स्वायत्तशासी, निकायों व संगठनों, स्थानीय निकायों एवं शैक्षणिक संस्थानों में भी संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान संविधान की उद्देशिका का पठन, वाद—विवाद प्रतियोगिता एवं विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय गुलाबबाड़ी पर संविधान दिवस मनाया गया

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या।समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय पर संविधान दिवस मनाया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व संचालन महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने किया मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन थे इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा कि 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। 1949 में इसी दिन भारत की संविधान सभा ने देश के संविधान को अपनाया था,डॉ. भीमराव आंबेडकर को भारत का संविधान बनाने में अहम भूमिका है। वे संविधान सभा की मसौदा समिति के अध्यक्ष थे। महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने कहा कि आज संविधान दिवस के मौके पर हमे ये प्रण लेना है कि संविधान को किसी भी कीमत पर खत्म नही होने देंगे आज भारतीय जनता पार्टी ने संविधान की धज्जियां उड़ा दी है आज जिस तरह से लोकतंत्र का मजाक उपचुनाव में बनाया है वो निंदनीय है अगर संविधान बचाना है तो 2024 में समाजवादी पार्टी की सरकार पुर्ण बहुमत से बनाना होगा तभी संविधान की रक्षा हो सकेगी।। महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव महासचिव हामिद जाफर मीसम, उपाध्यक्ष श्रीचंद यादव, प्रदेश सचिव हाजी असद, प्रदेश सचिव ब्रजेश सिंह चौहान,जिला अध्यक्ष युवजन सभा जय सिंह यादव, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री अमृत राजपाल,महानगर सचिव जगन्नाथ यादव, महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जयसवाल,अजय यादव, पार्षद राम भवन यादव, कृष्ण गोपाल यादव, सर्वजीत यादव, अरुणी पासवान, डा घनश्याम यादव,नौशाद राईन, प्रदेश उपाध्यक्ष फरीद कुरैशी, शिव शंकर शिवा,महमूद खान,अनस खान, प्रवीण राठौर, कृष्णा चौधरी,कमलेश सोलंकी, सिकंदर चौधरी, अभय द्विवेदी, राजबली यादव, ऋतुराज सिंह,इश्तियाक खान इत्यादि लोग मौजूद थे।।

दिव्यांग शौचालय बंद, अफसरों ने किया निरीक्षण

संवाददाता—गोण्डा। अवैध अतिक्रमण की वजह से बंद पड़े दिव्यांग शौचालय का निरीक्षण सीआरओ और सिटी मजिस्ट्रेट ने संयुक्त रूप से किया। मंगलवार को सीआरओ महेश प्रकाश और सिटी विजय कुमार शर्मा ने दिव्यांगों के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में विनियमित कार्यालय के पीछे वर्षों पूर्व निर्मित शौचालय का जायजा लिया। इसके आसपास वकील, मुंशी आदि ने अपना तख्ता डाल लिया जिससे शौचालय धीरे—धीरे बंद हो गया। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि इंजीनियर से इसके पुनर्संचालन का आंकलन कराने के बाद समुचित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि शौचालय बंद होने से कचहरी आने वाले दिव्यांगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आसपास अवैध अतिक्रमण कर लेने से शौचालय पूरी तरह बंद हो गया।

ठंड बढ़ने के साथ ही व्यवस्थित होने लगे रैन बसेरे

संवाददाता—श्रावस्ती। बढ़ते ठंड को देखते हुए रैन बसेरे भी व्यवस्थित होने लगे हैं। डीएम व एसपी ने रैन बसेरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी व्यवस्थाएं ठीक करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने सोमवार देर रात संयुक्त जिला चिकित्सालय में बने रैन बसेरे का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने रैन बसेरे की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही प्रबंधक को सभी व्यवस्थाएं चुस्त—दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान रैन बसेरे में कुल 17 लोग ठहरे मिले। खिड़कियां ठीक नहीं मिली। इस पर डीएम ने खिड़कियों को सही कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सम्बन्धित को निर्देशित किया कि सर्दी को देखते हुए रैन—बसेरों में रुकने वाले लोगों को कोई दिक्कत न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। अलाव की भी मुकम्मल व्यवस्था रखी जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि जहां पर भी रैन बसेरे बने हुए हैं, उनके लिए मुख्य मार्गों पर साइन बोर्ड लगाया जाए। जिससे लोगों को ढूंढने में कोई समस्या न हो। डीएम ने बताया कि जिला अस्पताल भिनगा, नगर पंचायत भिनगा व विकास क्षेत्र इकौना के शास्त्री नगर में रैन बसेरे का संचालन पहले से ही किया जा रहा है। उन्होंने सभी एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देश दिया है कि वे अपने—अपने क्षेत्रों में भ्रमण व निरीक्षण के दौरान यह ध्यान रखें कि कोई भी व्यक्ति खुले आसमान में न सोने पाए। यदि कोई भी खुले आसमान में सोता मिले तो उन्हें रैन बसेरों में तत्काल शिफ्ट किया जाय। वहीं इकौना के शास्त्री नगर में बने रैन बसेरे की व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली गई हैं।

इंडो नेपाल जाने वाली जर्जर सड़क पर जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

संवाददाता—बलरामपुर। विकास खंड अन्तर्गत तुलसीपुर हरैया मुख्य मार्ग से गुगौली कला मांग होते हुए इंडो—नेपाल बार्डर तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर जगह—जगह बड़े—बड़े गड्ढे हो गए हैं। इसको लेकर भारतीय किसान संघ के जिला संरक्षक शांति मिश्र ने मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन एडीएम को देकर मार्ग मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर पोस्ट ऑफिस, राजकीय बीज गोदाम, प्राथमिक विद्यालय, जूनियर हाई स्कूल, कांजी हाउस की गौशाला, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुगौली कला, वरहवा रेंज, एसएसबी नवीं वाहिनी बरहवा सीमा चौकी सहित तमाम संस्थान संचालित हैं। इसी के साथ बरहवा, भदवार, रौतार, लखाही, पचपेवा, तेंदुआनगर आदि गांव के लोगों का आवागमन होता है। यह मार्ग कई वर्षों से टूटकर गड्ढों में तब्दील हो चुका है। बताया कि समस्या को लेकर कई बार जिम्मेदार अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों को प्रार्थना—पत्र दिया गया, लेकिन आज तक मार्ग का मरम्मतीकरण नहीं हो पाया। समस्या को लेकर तहसील मुख्यालय पर आयोजित किसान दिवस में भी भारतीय किसान संघ अध्यक्ष इंद्रजीत तिवारी उर्फ लड्डू तिवारी, सह मंत्री सुशील कुमार मिश्रा ने भी अधिकारियों के समक्ष मार्ग के पुनर्निर्माण की मांग की थी। बावजूद इसके किसी भी जिम्मेदार ने समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। इसको लेकर भारतीय किसान संघ के जिला संरक्षक शांति मिश्र ने मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन एडीएम को देकर सड़क मरम्मत कराने की मांग की है।

क्लीन टॉयलेट कैंपेन का किया गया आयोजन

संवाददाता—श्रावस्ती। नगर पालिका के तरफ से क्लीन टॉयलेट कैम्पेन का आयोजन मोहल्ला बन्दरहा दक्षिणी स्थित सामुदायिक शौचालय पर पेन्टिंग बनाकर किया गया। क्लीन टॉयलेट कैम्पेन का उद्देश्य नगर वासियो को शौचालय साफ रखने के लिए प्रेरित करना था। अधिशासी अधिकारी डॉ अनीता शुक्ला ने नगर वासियो को जागरूक करने के लिए स्वच्छता सम्बन्धी पेंटिंग स्वयं बनाई और इसके बाद बगल में स्थित प्राथमिक विद्यालय के छात्रों ने स्वच्छता पेंटिंग बना कर नगर वासियों को जागरूक किया। इसके बारे में जानकारी भी दी। इस सम्बंध में अधिशासी अधिकारी ने बताया कि सभी नगर वासी अपना शौचालय स्वच्छ रखें।

सभी वर्गों को एक साथ रहने का संविधान ने दिया अधिकार –प्रदीप

संवाददाता—बलरामपुर। जिले के भाजपाइयों ने मंगलवार को तुलसीपार्क स्थित भाजपा कार्यालय पर संविधान दिवस मनाया। अटल भवन पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर संविधान की शपथ ली। जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि देश के आजादी के बाद बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर ने संविधान का निर्माण किया था। इसमें गरीब, पिछले, शोषण एवं वंचित लोगों को समाज में समान अधिकार प्राप्त हो सके। बाबा साहब ने सभी वर्गों को एक समाज में रहने का अधिकार दिया है। जिला उपाध्यक्ष बृजेंद्र तिवारी एवं जिला महामंत्री वरुण सिंह मोनू ने कहा कि संविधान में सभी को सामान अधिकार मिले हैं। संविधान से सभी को न्याय मिलता है। संविधान लोकतंत्र की ताकत है। जिला मंत्री अवधेश तिवारी तरुण ने कहा कि बाबा साहब के बने संविधान में गरीब—अमीर सब समान हैं। पीएम मोदी ने बाबा साहब के पंच तीर्थ स्थल बनाकर डॉ. अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि दी है। इस अवसर पर महिला मोर्चा जिलाध्यक्षा ललित तिवारी, मंजू तिवारी, नगर अध्यक्ष कृष्ण गोपाल गुप्ता, जिला मीडिया संयोजक अवधेश पाण्डेय, भाजपा नेता अमरनाथ शुक्ला, घनश्याम चौहान, जयंत सिंह धुर्व, विश्व मोहन द्विवेदी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

याचिका वापसी के बाद मिल्कीपुर में बढ़ी चुनावी हलचल

संवाददाता—अयोध्या। मिल्कीपुर में उपचुनाव का रास्ता साफ होने के बाद एक बार फिर से राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। चुनाव टलने के बाद राजनीतिक दलों की दौड़ भाग कम हो गई थी। 23 नवंबर को उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों के उपचुनाव के आए नतीजों से लवरेज भारतीय जनता पार्टी अयोध्या की प्रतिष्ठा परक सीट मिल्कीपुर में भी कमल खिलाना चाहती है। आम चुनाव में भाजपा से यह सीट छीनकर अपनी झोली में डालने वाली समाजवादी पार्टी भी इसे कतई गंवाना नहीं चाहती। इसके लिए वह पूरा दमखम लगाने के लिए तैयार है। अवधेश प्रसाद के निर्वाचन को चुनौती देने वाली पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा व एक अन्य वापस होने के बाद मिल्कीपुर में चुनाव के रास्ते खुल गए हैं।

मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर 15 अक्टूबर के पहले भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस समेत सभी राजनीतिक दलों के प्रदेश एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने विधानसभा क्षेत्र में जगह–जगह चौपाल लगाकर प्रचार –प्रसार शुरू किया था। मिल्कीपुर के उपचुनाव की घोषणा टलने के साथ ही राजनीतिक सरगर्मी भी फीकी पड़ गई थी लेकिन अब जब रास्ता साफ हो गया है तो एक बार फिर से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि पदाधिकारी फिर से क्षेत्र में सक्रिय हो रहे हैं। अंबेडकर नगर की कटेहरी विधानसभा सीट के उपचुनाव में भाजपा ने सपा को बड़े अंतर से हराकर मिल्कीपुर में भी भाजपा के लिए आशा की नई किरण पैदा कर दी है।

बहुजन समाज पार्टी ने मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए पहले ही अपने उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। लेकिन उपचुनाव के बाद चुनाव न लड़ने के फैसले से बसपा कार्यकर्ताओं में उहापोह की स्थिति है। कटेहरी में समाजवादी पार्टी ने सांसद लाल जी वर्मा की पत्नी को विधानसभा का प्रत्याशी बनाया था। जिससे सपा पर विपक्षी दलों ने परिवार वाद का भी आरोप लगाया। मिल्कीपुर में भी सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को समाजवादी पार्टी ने टिकट दिया है।

ऐसे में मिल्कीपुर में भी सपा को परिवारवाद का आरोप झेलना पड़ सकता है। 2022 आम चुनाव में अवधेश प्रसाद के विधायक चुने जाने के बाद पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा ने निर्वाचन आयोग में उनके द्वारा दिए गए शपथ पत्र को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। जो अब वापस हो चुकी है।

तीन बोरी खाद के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। डेवरुआ पुलिस ने एक साइकिल पर लोड कर नेपाल ले जाई जा रही तीन बोरी खाद के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसे बढ़नी कस्टम कार्यालय को सौंप दिया। गिरफ्तार करने वाले बढ़नी चौकी इंचार्ज अमला यादव ने बताया कि किसान माली पुत्र बुद्धि राम निवासी वार्ड नंबर तीन वेदमऊ थाना कृष्णानगर जनपद कपिलवस्तु नेपाल को तीन बोरी खाद ले जाते समय पकड़ लिया गया। उसके खिलाफ कस्टम एक्ट के तहत कार्रवाई कर कस्टम कार्यालय बढ़नी को सौंप दिया गया है।

मारने–पीटने और 54 हजार रुपये छीनने का आरोप

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के पिपरा पांडेय गांव निवासी नीरज कुमार उर्फ अजय चौरसिया पुत्र राम प्रताप ने गंगलवार को पुलिस को तहरीर देकर कुछ लोगों पर मारने पीटने व 54 हजार रुपये नगदी छीनने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि भनवापुर चौराहे पर रेडीमेड कपड़ों की दुकान चलाता है। सोमवार रात लगभग नौ बजे दुकान बंद कर घर जा रहा था। अभी बदलिया चौराहे पर पहुंचा था कि वहां मौजूद एक व्यक्ति उसे रोक कर मारने पीटने लगा और 54000 रुपये नगदी छीन लिया। उसके बाद पास में खड़ी कार में से दो लोग और आए और वह भी मारने पीटने लगे। आवाज सुनकर जब भीड़ इकट्ठा होने लगी तो वह लोग फरार हो गए। साथ ही धमकी दी कि पुलिस से शिकायत की तो जान से मार दूंगा। इटवा थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

ईओ ने कर्मचारियों संग किया सामूहिक विवाह पर मंथन

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज नगर पंचायत सभागार में मंगलवार को सामूहिक विवाह को लेकर सुपरवाइजरों व कर्मचारियों के साथ अधिशासी अधिकारी महेश प्रताप श्रीवास्तव ने बैठक की। इसमें योजना के क्रियान्वयन पर मंथन किया गया।

ईओ ने सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि लगातार फील्ड में रहकर सामूहिक विवाह से संबंधित लाभार्थियों के आवेदन पत्र लाभार्थियों के घर से प्राप्त करें। साथ ही संबंधित वार्ड के सभासद से समन्वय स्थापित कर आवेदन पत्रों को प्राप्त करने में तेजी लाएं।

जिससे निर्धारित लक्ष्य समय से पूरा किया जा सके। अधिशासी अधिकारी ने सुपरवाइजरों को फैमिली आईडी के बारे में जारी निर्देशों को भी बताया। उन्होंने निर्देश दिया कि वार्डों में जाकर फैमिली आईडी बनवाने के लिए लोगों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि इनद कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान महंत मिश्र, जानिसार अख्तर, अर्पित द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

अयोध्या से जनकपुर के लिए निकली बरात, बरातियों में उत्साह, देशभर से पहुंचे श्रद्धालु

संवाददाता—अयोध्या। जनकपुर जाने के लिए भव्य राम बरात निकल गई है। रामसेवक पुरम में राम बरात का उत्साह झलक रहा है। इससे पहले बराती रामसेवक पुरम में पहुंचे। बरात के लिए रथ सजाया गया। बरातियों ने उत्साह में जमकर नृत्य किया। बरात आयोध्या से जनकपुर के लिए प्रस्थान कर गई। कारसेवक पुरम में चल रहे महायज्ञ की परिक्रमा कर आगे बढ़ेगी। लता चौक होते हुए जनकपुर के लिए प्रस्थान किया। बरात में 200 से अधिक साधु संत व बराती शामिल हैं। कोई चंडीगढ़ से आया है तो कोई दिल्ली से।

हर कोई राम बरात में शामिल होने के लिए उत्साहित है। लोग छुट्टी लेकर राम बरात का साक्षी बनने के लिए अयोध्या पहुंचे हैं। भगवान के स्वरूप भी राम बरात में निकले हैं। अयोध्या निवासी नूर आलम भी राम बरात में शामिल हो रहें हैं। कहा राम बरात में शामिल होकर बहुत खुशी हो रही है।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, बारात के संयोजक राजेंद्र सिंह पंकज, विहिप के शरद शर्मा बरात को रवाना करने की तैयारी में जुटे हुए हैं। बरात तीन दिसंबर को जनकपुर पहुंचेगी। छह दिसंबर को जनकपुर के रंगभूमि में भव्य रामविवाह का आयोजन होगा।

एमएसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है –अविनाश

संवाददाता—अयोध्या। सूक्ष्म लघु उद्यम (एमएसएमई) कानपुर विकास कार्यालय के डिप्टी डायरेक्टर अविनाश कुमार अपूर्व ने कहा कि विद्यार्थी भी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमी बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि विभाग प्रशिक्षण से लेकर ब्याज मुक्त कर्ज दिलाने में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि एमएसएमई सेक्टर भारत के सामाजिक, आर्थिक विकास में अहम योजनाएं चला रहा है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि विद्यार्थियों इस क्षेत्र में इंटरेस्ट रखते है तो पूरा सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी उद्यमी बन सकते हैं। जिसके लिए कदम आगे बढ़ाने की जरूरत है। यह बातें उपनिदेशक ने डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में एमएसएमई के तहत पांच दिवसीय प्रबंध विकास प्रोग्राम में बतौर मुख्य वक्ता कही। अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने कहा कि इस प्रोग्राम से काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

सभी जॉब लेने वाले नहीं जॉब देने वाले बन सकते हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा एवं डॉ. राणा रोहित सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान संयोजक डॉ. राकेश कुमार, डॉ. निमिष मिश्र, डॉ. दीपा सिंह, डॉ. अनिता मिश्रा, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ. रविन्द्र भारद्वाज, डॉ. अंशुमान पाठक, डॉ. महेंद्रपाल सिंह व अन्य मौजूद रहे।

जीजीआईसी गोसाईगंज में किया गया रोजगार मेले का आयोजन

संवाददाता—अयोध्या। जीजीआईसी गोसाईगंज में आयोजित रोजगार मेले में छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ भविष्य में अपनी क्षमता एवं अभिरुचि के अनुरूप करियर का चयन करने के लिए मार्गदर्शित किया गया। शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, बैंकिंग तथा प्रशासनिक विभाग के अधिकारियों ने अपने– अपने क्षेत्र के कैरियर में चयन के लिए योग्यता व अनुभव के बारे में बताया गया। मेले में छात्राओं के साथ–साथ उनके अभिभावकों ने भी भारी संख्या में प्रतिभाग किया। रोजगार मेले में मुख्य रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष विजयलक्ष्मी जायसवाल ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गोसाईगंज में अपनी शिक्षा एवं अपने जीवन में कैरियर के बारे में छात्राओं से साझा किया। कैरियर गाइडेंस के जनपदीय नोडल प्रभारी डॉ. बसंत कुमार ने विभिन्न करियर के बारे में एवं आर्थिक समस्याओं को सरकार के सहयोग के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन अनुप्रभा श्रीवास्तव ने किया एवं कैरियर गाइडेंस नोडल प्रभारी कविता ने संचालन किया। इस कार्यक्रम में पंजाब नैशनल बैंक की तरफ से संदीप सिंह, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. शमा अंजुम, शिक्षा विभाग की तरफ से अशोक कुमार ,प्रधानाचार्य राजकीय बालिका हाई स्कूल बेनवा बसंत कुमार, अनुपमा श्रीवास्तव, तबस्सुम जहरा, समरनाथ, शिवम शुक्ला, आदि मौजूद रहे। अंत में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गोसाईगंज की प्रधानाचार्य बीके संध्या आए हुए अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

पराली जलाएं नहीं डी–कंपोजर कैप्सूल का प्रयोग कर बनाएं खाद

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले में जिस पराली को किसान जला देते हैं अब वही पराली किसानों के खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाएगी। ब्लाक स्तरीय गोदामों पर बायो डी–कंपोजर मौजूद है। महज चार कैप्सूल है, जो एक एकड़ खेत की पराली को कंपोस्ट में तब्दील कर देगा। इससे खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी और किसानों के खेत पर गुणवत्ता युक्त अनाज पैदा होंगे। जिले के सभी ब्लाक स्तरीय गोदामों पर डी–कंपोजर कैप्सूल मौजूद है, इस कैप्सूल से डेढ़ लीटर पानी में मिला कर घोल तैयार किया जाता है। यही डेढ़ लीटर दवा 15 टंकी में मिला कर पराली वाले खेत में छिड़काव किया जाता है। खेत में दवा पड़ते ही पराली में सड़न शुरू हो जाती है। 15 दिन के अंदर ही पराली आधी सड़ जाती है। एक माह के अंदर पूरी पराली खाद में तब्दील हो जाती है। इससे खेत में झूमस बढ़ता है और 16 सूक्ष्म पोषक तत्व मिल जाते हैं। इसक वजह से खेत में गुणवत्ता युक्त अनाज पैदा होता है।

पराली को सड़ाने और किसानों को जागरूक करने के लिए जिले में शासन से तीन हजार कैप्सूल को भेजा गया है। किसान इस पराली को ब्लाक स्तरीय गोदामों से हासिल कर सकते हैं। इन चार कैप्सूल से डेढ़ लीटर का घोल तैयार किया जाता है और यही घोल 15 टंकी पानी में मिला कर खेतों में छिड़काव कर वर्मी कंपोस्ट खाद तैयार किया जाता है। डीकंपोजर में विशेष प्रकार की बैक्टीरिया होती है। यह धूप में मर जाती है। इसके लिए खेत में नमी होनी चाहिए। शाम के समय छिड़काव किया जाए तो ही बेहतर होगा। रात जितनी गहराती जाती है। खेत में नमी का स्तर उतना ही बढ़ता जाता है। इसमें बैक्टीरिया और भी बढ़ जाती है। किसान सुबह के समय भी इस घोल का छिड़काव कर सकते हैं। किसानों को दिन में छिड़काव करने की सलाह नहीं दी जाती है। उप निदेशक कृषि राकेश कुमार सिंह ने बताया कि किसान पराली जलाने के बजाए डी–कंपोजर का प्रयोग करें। इससे खेत की उर्वरा शक्ति सुधरेगी। पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषण होता है। इससे भी बचाव होगा। खेत के मित्र कीट भी जिंदा रहेंगे। डीकंपोजर से किसानों का फायदा ही फायदा है।

सड़क पर मिली नवजात, पुलिस ने चाइल्ड केयर को सौंपा

संवाददाता—गोरखपुर। थानाक्षेत्र में मंगलवार को तड़के सड़क पर लावारिश नवजात मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने नवजात को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल पहुंचाया जिसके बाद चाइल्ड केयर यूनिट के सुपुर्द कर दिया। नवजात को सुनसान सड़क पर तड़के लावारिश की तरह छोड़ने वाली मॉ और उसके परिजनों की तलाश में जुट गई। बता दे कि मंगलवार की भोर में पीपीगंज जसवल मार्ग के कानापार के समीप पटरी पर एक नवजात बच्ची पड़ी थी इसी दौरान एक ग्रामीण ने पीआरवी के माध्यम से इसकी सूचना थाने के हल्का दरोगा अजित यादव को दी।मौके पर पहुंचे दरोगा ने सड़क के किनारे पड़ी नवजात के जिंदा होने के बाद उसे महिला कांस्टेबल नीमा यादव के साथ जिला अस्पताल पहुचे जहां चिकित्सकों ने नवजात को भर्ती करके उसकी हालत सुधारने में जुट गई। साथ ही नवजात को पुलिस ने चाइल्ड केयर की निधि त्रिपाठी को सौप दिया। इस तरह मासूम नवजात को किस महिला ने और किन परिस्थितियों में सुनसान सड़क के किनारे लावारिश फेंक दिया इसकी जांच में पुलिस जुट गयी है।

मशीन में उतरे करंट की चपेट में आने से चाचा–भतीजे की मौत

संवाददाता—अयोध्या। कैंट थाना क्षेत्र के बंदे अली छावनी में दोना– पत्तल के कारखाने में मशीन में उतरे करंट की चपेट में आने से चाचा अवनीश श्रीवास्तव (21) पुत्र अजय श्रीवास्तव एवं भतीजे शिवम (18) पुत्र मनोज श्रीवास्तव की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कैण्ट थाना क्षेत्र के कुर्मी का पुरवा निवासी अवनीश एवं मनोज बंदे अली की छावनी में खुद का दोना– पत्तल का कारखाना था। सोमवार को रात में चाचा– भतीजा कारखाना में दोना–पत्तल बनाने गए थे। दोनों मशीन में उतरे करंट की चपेट में आ गए और मौत हो गई। पूरी रात किसी को घटना की खबर तक नहीं मिली। रात में परिजन ने मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन रिसीव नहीं हुआ। चाचा– भतीजे के सुबह तक घर न पहुंचने पर परिजन कारखाने पहुंचे। वहां दोनों मृत पड़े थे। परिजन की सूचना पर कैंट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अभी दोनों मृतक अभी अविवाहित थे और खुद के कारखाने में रात में काम करके जीविकोपार्जन चलाते थे। हादसे के बाद से परिजन का रो– रो कर बुरा हाल है। कैंट थानाध्यक्ष अमरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि खुद के कारखाने में रात में मृतक काम करते थे। मशीन में उतरे करंट की चपेट में आने से दोनों की मौत हुई है। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजन को सौंप दिया गया है।

छात्र रुचि के अनुसार करें अपनें क्षेत्र का चुनाव –बीईओ

संवाददाता—अयोध्या। क्षेत्र के राजकीय बालिका इंटर कालेज अमानीगंज में पंख कैरियर गाइडेंस मेले का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों द्वारा कॅरियर से संबंधित स्टॉल भी लगाए गए। अतिथियों ने 10 वीं व 12 वीं कक्षा के बाद कॅरियर की संभावनाओं पर छात्रों को विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि बीइओ अमानीगंज राजेश कुमार ने कहा कि छात्र रुचि के अनुसार अपने क्षेत्र का चुनाव करेंगे तो लक्ष्य प्राप्त करने में आसानी होगी, उन्हें चुनौतियों का सामना भी नहीं करना पड़ेगा। विशिष्ट अतिथि इंटर कॉलेज के सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य हरिनारायण तिवारी ने छात्रों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प को महत्वपूर्ण बताया। महिला उप निरीक्षक निधि सिंह ने छात्राओं से कहा कि पढ़–लिखकर अपने पैर पर खड़े होइए, बेटियां अब परिवार पर बोझ नहीं है। अतिथियों ने छात्रों की पंख डायरी का अवलोकन कर उत्साहवर्धन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्यामपरी वर्मा ने अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका रजनी देवी ने किया। इस मौके पर कार्यक्रम नोडल प्रिया सिंह, डीसी समग्र शिक्षा शैलेश, हाईस्कूल सुनवा के प्रधानाचार्य गोविंद शुक्ल, शिक्षक तिलकधर द्विवेदी, अमिता पाण्डेय, संध्या साहू, राजेन्द्र यादव, पंकज तिवारी, आलोक द्विवेदी, रामजीराम आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मायानगरी में प्रेमिका को फंसाकर बनाता रहा शारीरिक संबंध, धोखा देकर दूसरे से रचा ली शादी

संवाददाता—गोरखपुर। प्यार में धोखा देकर मुंबई से भागे युवक ने अपने गांव पहुंच कर दूसरी शादी कर ली। इस बात की खबर प्रेमिका को हुई तो वो गोरखपुर पहुंच गई। बांद्रा मुंबई से आई युवती ने एसएसपी से मिलकर सारा मामला बताया और प्रार्थना पत्र देकर मदद की गुहार लगाई है। युवती ने एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि खजनी थाना क्षेत्र के एक गांव का युवक मुंबई रहकर एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात युवक से हुई। आरोप है कि युवक ने झूठे प्रेम जाल में फंसाया और शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने बताया कि अक्टूबर 2024 में उसे पता चला कि युवक अपने परिजनों के साथ मिलकर दूसरी युवती से शादी करने वाला है। इसके बाद दो नवंबर को मुंबई से अपने गांव चला आया। युवती को पता चला कि युवक की 24 नवंबर को शादी है। उसने आरोपी से बात करने की कोशिश की जिसपर वह युवती को धमकी देने लगा और उससे शादी करने से इन्कार कर दिया।

युवती का दावा है कि उसने इस मामले में मुंबई के समता नगर थाने में केस भी दर्ज करवाया है। इसके बाद पीड़िता ने आरोप लगाया कि युवक ने धमकी दी है कि गोरखपुर आकर शादी रोकने की कोशिश करोगी तो तुम्हारे टुकड़े करके वापस मुंबई भेज दूंगा। साथ ही ये भी आरोप लगाया कि आरोपी लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाता है और शादी का झूठा वचन देकर शारीरिक संबंध बनाता है। पीड़ित युवती ने एसएसपी से सुरक्षा की मांग करते हुए बताया कि यदि उसके साथ कोई भी अनहोनी हुई तो उसका जिम्मेदार आरोपी और उसका परिवार होगा।

युवती ने बताया कि वर्ष 2022 में उसे नौकरी की तलाश थी जिस सिलसिले में युवक से उसकी मुलाकात हुई थी। युवक ने अपनी ही कंपनी में युवती की नौकरी लगवा दी। इसी बीच युवक उससे नजदीकियां बढ़ाने की कोशिश करने लगा। बताया कि युवक ने उससे अपने प्यार का इजहार भी किया था लेकिन तब युवती ने उसे मना कर दिया था। युवती का कहना है कि युवक लगातार उसका ख्याल रखता था जिसकी वजह से उन दोनों में प्रेम संबंध हो गया। इसी दौरान युवक ने उसकी अश्लील वीडियो और फोटो बना ली जिसे अब वायरल करने की धमकी भी दे रहा है।

एसपी ने जवानों को दिलाई देश की एकता व अखंडता की शपथ

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। एसपी कार्यालय पर संविधान दिवस के मौके पर मंगलवार को एसपी प्राची सिंह ने पुलिस कर्मियों को देश की एकता व अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई। उन्होंने संविधान के मूल्यों की भी जानकारी दी। एसपी ने संविधान की प्रस्तावना एवं मौलिक कर्तव्यों की जानकारी प्रदान कर संविधान में निहित मूल्यों, आदर्शों, उद्देशिका को स्मरण कराते हुए राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई। बताया कि संविधान हमारे देश का मजबूत आधार है। हमारी एकता अखंडता को बनाए रखने वाला यह संविधान हर किसी को समान अधिकार देता है। भारत जैसे विविधतावाले देश में यही वह संविधान है जिसने सभी को एक सूत्र में बांधकर रखा है। संविधान की वजह से ही आज हर व्यक्ति को पढ़ाई लिखाई, जीवन जीने का अधिकार प्राप्त है। संविधान कभी ऊंच–नीच नहीं देखता है। उन्होंने कहा जो अधिकार एक सामान्य व्यक्ति को है वही सभी को है।

संविधान दिवस के मौके पर जिले भर के सभी थानों पर पुलिस कर्मियों को संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा, राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। सिद्धार्थनगर, उस्का बाजार, मोहाना, लोटन, कपिलवस्तु, शोहरतगढ़, बांसी, ढेबरुआ, इटवा, डुमरियागंज, खेसरहा, जोगिया, भवानीगंज, महिला थाना, गोल्हौरा, पथरा आदि थानों पर वहां के प्रभारियों ने अपने मातहतों को शपथ दिलाई।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला महिला का शव

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। खेसरहा थाना क्षेत्र के कुडजा गांव में सोमवार की देर रात एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्र के कुडजा गांव की रीता (30) की शादी 10 वर्ष पूर्व महेंद्र से हुई थी। मृतका का एक 10 वर्ष का लड़का आकाश है। देर रात जब वह अपनी मां को नहीं देखा तो अपनी दादी के साथ खोजने लगा। खोजते हुए पुराने घर पर गया वहां वह दुपट्टे के सहारे फंदे से लटकते मिली। किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी। परिजनों ने पुलिस के आने से पहले शव को नीचे उतार लिया था। परिजनों ने बताया कि जिस घर में उसका शव लटक रहा था उस घर में कोई रहता नहीं है वहां बकरी रहती है। रीता का पति महेंद्र गांव पर ही रहता है। मृतका की मायका जोगिया कोतवाली क्षेत्र के चेरिहा गांव में है। सूचना के बाद रात में ही मायके के लोग भी कुडजा पहुंच गए। पुलिस ने पंचनामा कराकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि पुलिस के पहुंचने से पहले शव को परिजनों ने उतार लिया था। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पल्लवी (PALLAVI) पुत्री राजू सोनकर मोहल्ला प्रहलाद कालोनी सिविल लाइन पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती की निवासिनी है। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम त्रुटिवश प्रिया सोनकर (PRIYA SONKAR) हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर पल्लवी (PALLAVI) किया जाय।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

निगरानी सं0– 02/2024

मूलवाद सं0–931/08

पारसदेई

बनाम

मिथलेश मिश्रा आदि

1. मिथिलेश मिश्रा उम्र लगभग 60 साल पत्नी कृष्णपूजन मिश्रा साकिन समौड़ी तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग

2. जोगेन्द्र उम्र लगभग 67 साल पुत्र शिवानन्द 3. इन्द्रदेव उम्र लगभग 62 साल 4. कृष्णदेव उम्र लगभग 59 साल 5. दुर्गा प्रसाद उम्र लगभग 57 साल 6. गनेश उम्र लगभग 47 साल 7. महेश उम्र लगभग 45 साल पुत्रगण राजेन्द्र निवासी चैनपुरवा तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट द्वितीय वर्ग

8. ज्ञानमती उम्र लगभग 62 साल पत्नी सूर्यदत्त साकिन खैरी ओझा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–रेस्पान्डेन्ट तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 04–12–2024

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकुम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 04 माह 12 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब ज्याप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदी की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगाज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ ज्याप्ता 200 ई0)

वाद सं0– 622 नियम(109)A

अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी (R) बस्ती जिला–बस्ती

दयाशंकर

बनाम

सरकार

1. दयाशंकर पुत्र रामभूरत साकिन नेदुला तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–12–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरश्ता हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हस्गाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वारसे इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 11 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सिविल प्रकीर्णवाद सं0 126/2024

अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती पियारी देवी

बनाम

परमात्मा प्रसाद

1. परमात्मा प्रसाद उम्र करीब 45 साल पुत्र गंगाराम निवासी मौजा डमरूआ जंगल पो0 रघुनाथपुर तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–12–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 18 महीना 12 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 09450567450 9336715406,

ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com